हिमाचल टाईम्स
30 सितम्बर, 2014

हिंदी सप्ताह के समापन पर प्रतियोगिताओं के विजेता पुरस्कृत

देहरादून, आजखबर

हिन्दी के प्रचार–प्रसार के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में आयोजित हिंदी सप्ताह का समापन हो गया है। समापन अवसर पर स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. अश्विनी कुमार महानिदेशक भा.वा.अ.शि.प. ने कहा कि यद्यपि यह हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह है, परंतु हमारे सरकारी काम–काज में हिन्दी के प्रयोग का समापन नहीं है। उन्होंने कहा कि भा.वा.अ.शि.प. एक वैज्ञानिक संस्था है जिसमें बहुत से वानिकी से संबंधित शब्दावली केवल अंग्रेजी में है, अतः वानिकी की विभिन्न तकनीकी शब्दावली के लिए हिन्दी ग्लोसरी की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि हिन्दी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है व हिन्दी केवल राजभाषा ही नहीं है, बल्कि यह विभिन्न भाषा–भाषी व्यक्तियों के मध्य सम्पर्क भाषा भी है। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि के लिए और अधिक प्रयासों के लिए आह्वान किया। शैवाल दासगुप्ता उप महानिदेशक (विस्तार) ने राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यद्यपि हिन्दी सप्ताह इत्यादि का आयोजन करना राजभाशा नियमों और आदेशों के अंतर्गत अपेक्षित है, तथापि यह केवल एक औपचारिकता मात्र नहीं है।

हिन्दुस्तान
30 सितम्बर, 2014

विजेताओं को किया गया सम्मानित

देहरादून। हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय खनिकी अनुसंधान शिक्षा परिषद में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

समारोह के अंतिम दिन स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्थान के महानिदेशक डॉ.अश्विनी कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि यह पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि के लिए और अधिक प्रयासों का आह्वान किया। उपमहानिदेशक शैवाल दासगुप्ता ने भी विचार रखे।

सार्थक सहारा
30 सितम्बर, 2014

सरकारी कामकाज में हो हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग

प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत करते आईसीएफआरई के महानिदेशक।

देहरादून (एसएनबी)। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) में सोमवार को हिंदी सप्ताह का समापन हुआ। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि समापन समारोह में शिरकत की। उन्होंने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का अधिक प्रयोग करने का आह्वान किया। महानिदेशक ने कहा कि हिंदी विश्व में तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी सिर्फ राजभाषा ही नहीं बल्कि विभिन्न भाषा-भाषी व्यक्तियों के मध्य संपर्क भाषा भी है।

उन्होंने कहा कि आईसीएफआरई एक वैज्ञानिक संस्था है। जिसमें वानिकी से संबंधित बहुत सी शब्दावलियां केवल अंग्रेजी में हैं। ऐसे में वानिकी की विभिन्न तकनीकी शब्दावलियों के लिए हिंदी ग्लोसरी की आवश्यकता है। इससे पहले उप महानिदेशक शैवाल दासगुप्ता ने राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी सप्ताह का आयोजन महज औपचारिकता नहीं रहना चाहिए। विभागीय कार्यों में हिंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए। इस अवसर पर हिंदी सप्ताह के दौरान आयोजित की गई निबंध प्रतियोगिता, टिप्पणी लेखन प्रतियोगिता, अनुवाद प्रतियोगिता, कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता व स्व रचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में 44 कर्मचारियों ने भाग लिया था। सहायक महानिदेशक नीना खांडेकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। अनुसंधान अधिकारी रमाकांत मिश्र आदि अधिकारी, वैज्ञानिक व कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

■ आईसीएफआरई में हिंदी सप्ताह का समापन

दैनिक जागरण
30 सितम्बर, 2014

हिंदी सप्ताह का समापन हुआ

देहरादून: भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में हिंदी सप्ताह का समापन हो गया है। इस दौरान सभागार में काव्य पाठ प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। समापन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक डॉ. अश्विनी कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान उन्होंने ने कहा कि यह हिंदी सप्ताह का समापन समारोह है, लेकिन कामकाज में हिंदी के प्रयोग का समापन नहीं। कहा कि परिषद एक वैज्ञानिक संस्था है, जिसमें वानिकी से संबंधित काफी शब्दावली केवल अंग्रेजी में है। इसलिए वानिकी की तकनीकि शब्दावली के लिए हिंदी ग्लोसरी की आवश्यकता है। इस दौरान उप निदेशक विस्तार शैवाल दासगुप्ता, अनुसंधान अधिकारी मीडिया एवं विस्तार रमाकांत मिश्र आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला
30 सितम्बर, 2014

हिंदी सप्ताह का आयोजन

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद में चल रहे हिंदी सप्ताह का समापन हो गया। अंतिम दिन स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महानिदेशक आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार, उप महानिदेशक शैवाल दासगुप्ता और वैज्ञानिक मौजूद रहे।

THE HIMACHAL TIMES
30 Sept., 2014

Hindi Saptah (Week) Celebration concludes at ICFRE

DEHRADUN, SEP 29 (HTNS)

Indian Council of Forestry Research and Education celebrated Hindi Saptah (Week) that started on September 18 at ICFRE auditorium concluded here today. Dr. Ashwani Kumar, DG, ICFRE was the Chief Guest on this occasion.

The Chief Guest stated that though it was the closing ceremony of Hindi Week, it was not the closing of use of Hindi in our daily official work. He said that since ICFRE was a scientific organization and most of the terminology and literature on forestry and related science was in English only, there was an immediate need of an updated Hindi Glossary of technical terms covering various aspects of forestry. He informed that Hindi was the third largest spoken language in the world. He opined that Hindi was not only Rajbhasha but also a connecting language that binds people of different regions having different dialects. He called upon for diligent and sincere efforts for enhanced use of Rajbhasha Hindi.

Saibal Dasgupta, DDG, laid emphasis on the importance of Rajbhasha Hindi and said that though organizing Hindi Week was expected under the rules and orders of Rajbhasha Hindi, it was not a formality only. "ICFRE is committed to the use of Hindi in its daily official working and for implementation of rules, regulations, orders and Official Language Act 1963 regarding Rajbhasha Hindi by organizing various training workshops, programs," he said.

He informed that in spite of being a scientific organization, ICFRE was striving towards attaining the goals fixed by the Rajbhasha Vibhag, New Delhi. The message of Home Minister, Government of India on the occasion of Hindi Diwas

2014 was read by RK Mishra, Research Officer, Media and Extension Division. Later a 'Self Written Poetry Recitation' competition was organized on the occasion in which eight participants took part. Five competitions viz. Essay Competition, Noting Drafting Competition, English to Hindi Translation, Hindi Typing on Computer and Self Written Poetry Recitation were organized during the Hindi Week Celebrations. In all total of 44 participants took part in different events. Prizes were distributed to the winners of different competitions held during Hindi Saptah by the Chief Guest, Dr. Kumar. The vote of thanks was proposed by Neena Khandekar, ADG (M&Extn.) and program conducted by RK Mishra.

THE TRIBUNE, 30Sept., 2014

DG of ICFRE: Hindi language binds people of various regions

A participant being awarded at the conclusion of the Hindi Week at ICFRE in Dehradun on Monday. A TRIBUNE PHOTOGRAPH

TRIBUNE NEWS SERVICE

DEHRADUN, SEPTEMBER 29

Indian Council of Forestry Research and Education(ICFRE) celebrated Hindi Week from September 18 to 29, 2014. The closing ceremony of the event took place today.

Dr. Ashwani Kumar, DG, ICFRE, was the chief guest on this occasion. The programme started with the lighting of the lamp by the chief guest. Dr. Ashwani Kumar, DG, ICFRE, stated that though it was the closing ceremony of Hindi Week, "it is not the closing of use of Hindi in our daily official work." He said that since ICFRE was a scientific organisation and most of the terminology and literature on forestry and related science was in English only, there is an immediate need of an updated Hindi glossary of technical terms covering various aspects of forestry. He informed that Hindi was the third largest spoken language in the world. He opined that Hindi was not only rajbhasha but it is also a connecting language that binds people of different regions having different dialects. He called for diligent and sincere efforts for enhanced use of rajbhasha Hindi.

Saibal Dasgupta, DDG (Extension), laid emphasis on the importance of rajbhasha Hindi and said that though organising Hindi Week is expected under the rules and orders of the rajbhasha,however, it is not a formality only. ICFRE is committed to the use of Hindi in its daily official working and for implementation of Rules, Regulations, Orders and Official Language Act, 1963, regarding rajbhasha Hindi by organising various training workshops, programmes etc. He informed that "in spite of being a scientific organisation, we are striving towards attaining the goals fixed by the Rajbhasha Vibhag, New Delhi."

After the welcome address, the message of the Union home minister, Government of India, on the occasion of Hindi Diwas 2014 was read by R.K. Mishra, Research Officer, Media and Extension Division. Later a self written poetry recitation competition was organised on the occasion in which eight participants took part. Five competitions, essay competition, noting/ drafting competition, English to Hindi translation, Hindi typing on computer and self written poetry recitation were organised during the Hindi Week celebrations. In all a total of 44 participants took part in different events. Prizes were distributed to the winners of different competitions held during Hindi saptah by the chief guest Ashwani Kumar, DG, ICFRE.

The programme concluded with a vote of thanks by Neena Khandekar, Additional Director General (ADG). About 100 officers, scientists and employees were present during the closing ceremony that was conducted by R.K. Mishra, Research Officer, Media and Extension Division.

THE TRIBUNE 30Sept., 2014

शाह टाइम्स
30 सितम्बर, 2014

देहरादून। हिन्दी के प्रचार-प्रसार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में 18 से 29 के मध्य हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजित किया गया। समापन अवसर पर आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देते हुए। छाया : शाह टाइम्स

आईसीएफआरई में हिन्दी सप्ताह का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हिन्दी के प्रचार-प्रसार को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में 18 से 29 के मध्य हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजित किया गया।

सोमवार को भावाअशिप के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक भावाअशिप मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भावाअशिप ने कहा कि यद्यपि यह हिन्दी सप्ताह का समापन समारोह है लेकिन हमारे सरकारी काम-काज में हिन्दी के प्रयोग का समापन नहीं है। उन्होने कहा कि भावाअशिप एक वैज्ञानिक संस्था है जिसमें बहुत से वानिकी से संबंधित शब्दावली केवल अंग्रेजी में है, इसलिए वानिकी की विभिन्न तकनीकी शब्दावली के लिए हिन्दी ग्लोसरी की आवश्यकता है। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में अभिवृद्धि के लिए और अधिक प्रयासों के लिए आह्वान किया। शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) ने राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यद्यपि हिन्दी सप्ताह इत्यादि का आयोजन करना राजभाषा नियमों और आदेशों के अंतर्गत अपेक्षित है, तथापि यह केवल एक औपचारिकता मात्र नहीं है।

हिन्दी के ज्यादा से ज्यादा प्रयोग को प्रयासों की जरूरत : डा. अश्विनी

स्वागत भाषण के उपरांत हिन्दी दिवस के अवसर पर दिए गए गृह मंत्री के भाषण को रमाकान्त मिश्र, अनुसंधान अधिकारी, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग ने पढ़ा। तदुपरांत स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें आठ प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस दौरान 5 विभिन्न प्रतियोगिताओं नामत: निबन्ध प्रतियोगिता, टिप्पण लेखन प्रतियोगिता, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता, कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता तथा स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 44 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक के करकमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। समारोह का समापन नीना खाण्डेकर, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। समापन समारोह में लगभग 100 अधिकारी/वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे जिसका संचालन रमाकान्त मिश्र अनुसंधान अधिकारी, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग द्वारा किया गया।